

कोरोणा ने भगाणो है (मारवाड़ी संस्करण)



Aarogya Setu

में सुरक्षित | हम सुरक्षित | भारत सुरक्षित

आरोग्य सेतु एप डाउनलोड करर
आपणी अर देश की रक्षा करणी है।

लेखण और चित्रांकण-
आलोक शर्मा

अनुवाद-
करण सिंह रावत

संवाद लेखण व सुलेख-
दक्षस्वी वर्मा

रंगांकन-
मानवी शर्मा

**COMICBOOK ON
INFORMATION
ABOUT
CORONAVIRUS
IN MARWADI**

मारवाड़ी भाषा में
कोरोणों के बारे में
जानकारी देबा वाली
चित्रकथा।



जो जठे है,
बठेई रुक जावे,
भीड़ में
कोणी जावे।

(Safety measures useful even after lockdown)
(Special reference to rural
area safety measures)





शिक्षा ही अंधकार को हटाती है, कोरोना को भी जानकारी ही हटाएगी, क्योंकि जानकारी ही बचाव है। व्यवहारिक शिक्षा ही वास्तविक शिक्षा है, इसलिए माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, इस ई बुक के प्रसार का अनुमोदन करता है।

सम्पूर्ण विश्व में कोरोना के उन्मूलन हेतु संघर्ष चल रहा है, इसी क्रम में यह ई बुक - ' कोरोना ने भगाणो है' बनाई गई है। इस ई बुक की मुख्य विशेषता यह है कि ये राजस्थान के आम आदमी के लिए मारवाड़ी भाषा में लिखी गई है और यह कॉमिक्स (चित्रकथा) के रूप में है, जिससे इसे समझना ज्यादा आसान है।

अगर इस कॉमिक बुक को हर घर तक पहुंचाया जा सके तो निश्चित ही कोरोना संक्रमण की श्रृंखला को तोड़ा जा सकता है। विशेष रूप से अगर राजस्थान के प्रत्येक विद्यार्थी तक यह चित्रकथा पहुंच सकी तो निश्चित ही राज्य से कोरोना का पूरी तरह उन्मूलन हो जाएगा, यही हमारे राष्ट्रीय कर्तव्य का सच्चा निर्वहन होगा।

हर शख्स को लगना है वतन की हिफाजत में।
बचाव को शामिल करके अपनी आदत में।

अरविन्द सेंगवा

सचिव
राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
अजमेर



कोरोना वायरस के व्यापक फैलाव के फलस्वरूप वर्तमान समय में प्रत्येक नागरिक की जागरूकता की परीक्षा है। प्रत्येक जागरूक नागरिक कोरोना-योद्धा है।

राजस्थान के सुदूर गांव ढाणियों तक मारवाड़ी भाषा में कोरोना से बचाव के तरीकों का प्रसार करने के लिए यह अभूतपूर्व प्रयोग किया गया है जिसके फलस्वरूप यह ई बुक आज आपके सामने है। मेरे विचार से मारवाड़ी भाषा में अब तक ऐसा कार्य नहीं हुआ है, अतः इसे ऐतिहासिक कहा जा सकता है।

कोरोना के बारे में जितनी अधिक जानकारी का प्रसार होगा, कोरोना का उतना कम प्रसार होगा। आइये इस ई बुक का अधिकतम प्रसार करें, जो लोग पढ़ नहीं सकते, उनको पढ़कर सुनाएं, ये हमारा फ़र्ज़ है।

सुनो पुकार आज हमारे फ़र्ज़ की,
जंजीर तोड़नी है कोरोना मर्ज की।

डॉ. शक्ति सिंह शेखावत
सचिव

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण
अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश
अजमेर (राजस्थान)

कोरोणा ने भगाणो है

(मारवाड़ी संस्करण)
CORONA AWARENESS
COMICBOOK
IN MARWADI

लेखण और चित्रांकण-

आलोक शर्मा अनुवाद-

करण सिंह रावत

सम्वाद लेखन व सुलेख-
दक्षस्वी वर्मा

रंगांकन-
मानवी शर्मा



अच्छो बापू थे आ रियो हो ?
अबार थे क्यू आ रिया हो ?
सब जगह
कोरोणो
फैल्योणो
है ।

काई , बापू को फोन आयो की , ल्या
मने दे ।

थाने रोकण पड़ेलो ।

आरे बापू अबार कान आ
रियो हो , कोरोणो फैल्योणो
है , बटे ही रियो ।

रेला माई
तो घणी ही
भीड़ भाड़
है तो जादा
ही डर है ।

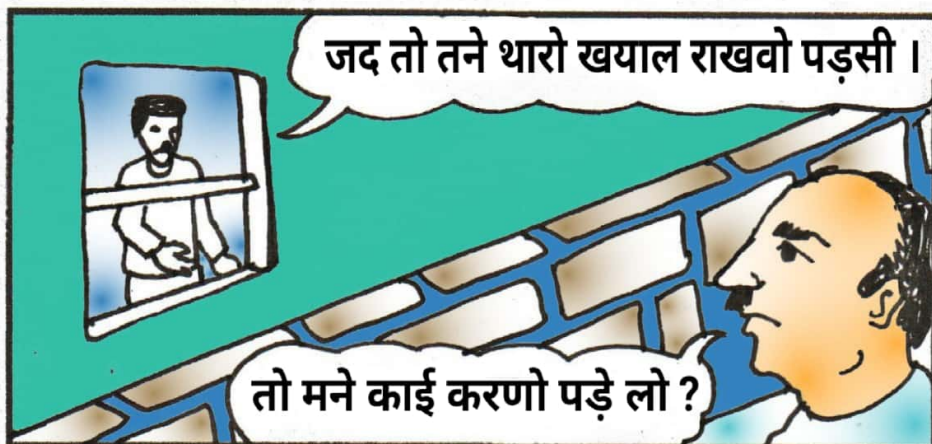
मू तो रेल माई बैठगयो , अरे
बड़ी मुश्किल सू तो सीट
मिली है ।

और काई बात को डर
है साठ किलोमिटर ही
तो आवणो है ।

ओ तो सही कोना करयो ,
भीड़ भाड़ सू तो कोरोणो रो
जादा डर रेवे है ।

सुणो, बठे भीड़ मे कोई
न खासी चले तो दूर ही
बैठणो है , हाथ नहीं
मिलाणो है ।





जे थे नगर मे रेबो तो इ बायो वेस्ट न खतम करबा
करके दीया। चिकित्सा विभाग सू पूछ लियो



पण अगर आपणे आस-पास कचरा ने खतम करबा
की सुविधा कोनी तो यान कचरा न आग मे बाल दियो
और कचरा पत्र पर फिनायल या ब्लीचींग पाऊडर
छिड़क दियो थोड़े देर पछ पाणी सु साफ़ कर दियो।

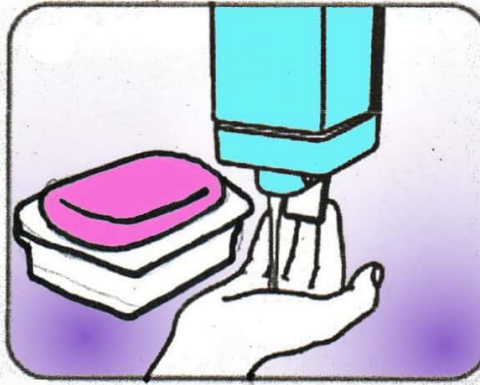




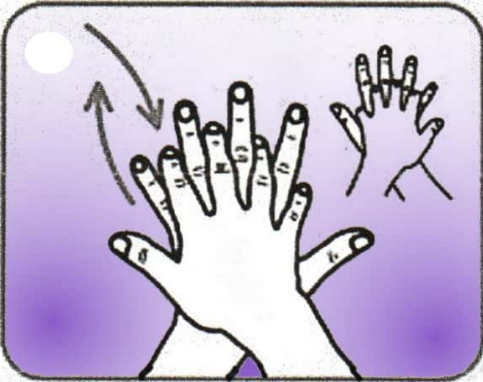
विश्व स्वास्थ्य संघटन द्वारा बतायी गयी हाथ धोबा की तरकीब ।



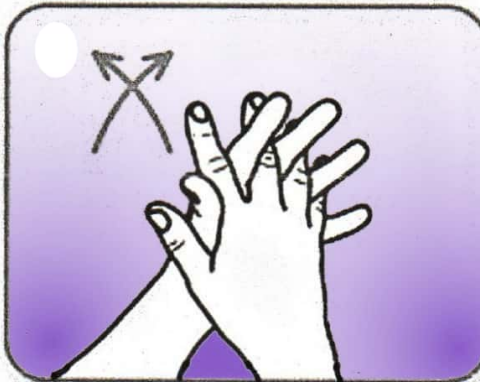
पेले पूरा हाथ न गीलो करणो है ।



बड़िया ढंग सू साबण लगाणो है ।



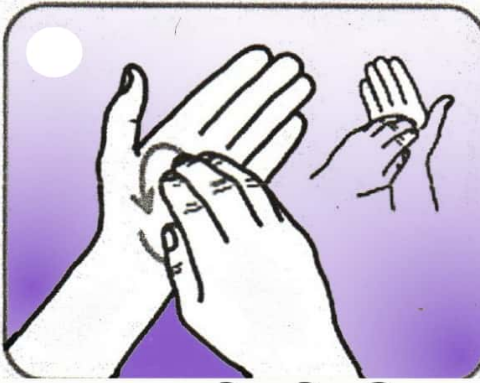
और आंगलिय न रगड़कर धोवणी है ।



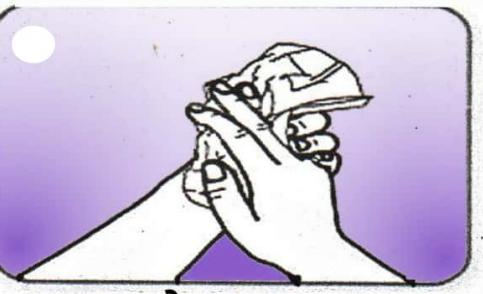
हथेलियाँ न मलकर धोणी है ।



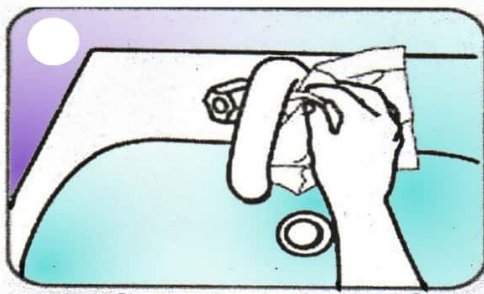
हथेली न घुमाकर अंगूठा न साफ करणो है ।



नाखूणो को भी साफ करणो है ।



हाथा को साफ कपड़ा सू पोछणो है , जो थाका पर्सनल हो ।



और बाद म नल को भी धोणो है ।

6 (पेपर नैपकिन सू, या नल आटोमेटिक होबा चाइजे)

ई पूरी प्रक्रिया 20 सैकेण्ड की होवे है ।



बापू टीबी म तो बतरिया है की अंगूठी को भी धोणा है ।

सबसू बड़िया है अंगूठी , कड़ा, चूड़ी, हाथ घड़ी , कलाई धागा आदी पेहणे ही ना जावे, ई सब म वायरस चिपक सके है ।



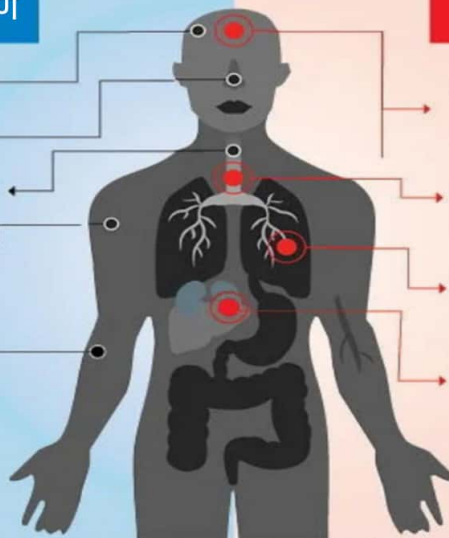
ओ वायरस अलग-अलग जगह
पर थोड़ा घन्टा सू कई दिना तक
जिन्दो रह सके है । ई बारा म
कोई भी निश्चित नही है ।

कोरोणो वायरस न ई तरह सू पहचाणे

इ बिमारी का नॉर्मल लक्षण

- बुखार
- जुखाम
- खासी व कफ
- मांसपेशिया मे दरद
- कमजोरी

इरा लक्षण 2
से 14 दिना
माही दिखे ।



चपेट मे आना पर

- जोरकी उन चढ़े है
- घणौ माथो दुखे
- सांस लेबा मे तकलीफ
व सांस फूलणो
- फेफड़ा मे सुजाण
व निमोनिया
- किडनी फैल व मौत

ज्यादातर मामला म
कोरोणो धीरे-धीरे आवे
है , उण रे बाद घणो ही
तेज हो जावे ।

या सारी बाता डब्लू एच ओ ने बताई है।





दरअसल मने एक बात कहणी थी म्हारा मामा न
क्वार्टाईन वार्ड मे राख्यो है वो अहमदाबाद म
एक मिल मा काम कररियो हो ।

वो पेदल ही सीमा पार
कर आपणे राज्य मे आ
गयो ।



अच्छा तो ओ कारण हो , चिंता नहीं
करणी, बी भीड़ मे हजारो लोग थे तो ।



अगर ब्याना कोरोणो संक्रमण है तो
चौदह दिना वास्ते एकान्त मे राखो
जाये , उण हूँ पतो चाल जाये की
संक्रमण है या नहीं ।



पर वे 14 दिन क्यान रही ?



अगर उण ने
बिमारी को
लक्षण कोणी
होय तो चौदह
दिन बाद वे
वापस घर आ
जाए ।



और बिमारी रो लक्षण दिख
गयो तो ?



आजकल म्हाका गाँव म फसल काट रिया है ।



तो सब लोगो ना कुछ बाता समझणी पड़सी ।

फसल काटता समय एक दुसरा की दातली आपस म बदली नहीं जावे । काटाई को बाद म दातली न साबण का घोल सू धोणो है और हाथ न भी ।



फसल की कटाई को समय थोड़ा आतरे आतरे रहणो है ज्यादा सू ज्यादा तातड़ा मे रेहणो है ।



खेत मे चाय पीबा सू पहले ब पाछे साबण सू हाथ धोबा जावे ।



सबला काम मे ही दूरी बनार राखणी है ।



घरे आकर जो कापड़ा फेरयोड़ा है ब्याने सबला साबण का घोल सू धोणो है ।



बी रे बाद आच्छी तारह सू नाहाणो है ।





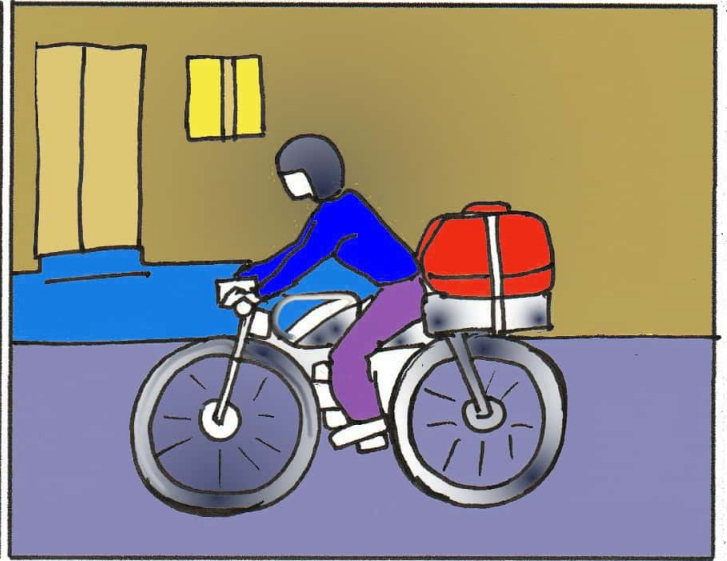


मत मानो रे फेक न्यूज़ री सलाह, खतरनाक होवे है अफवाह री बात।





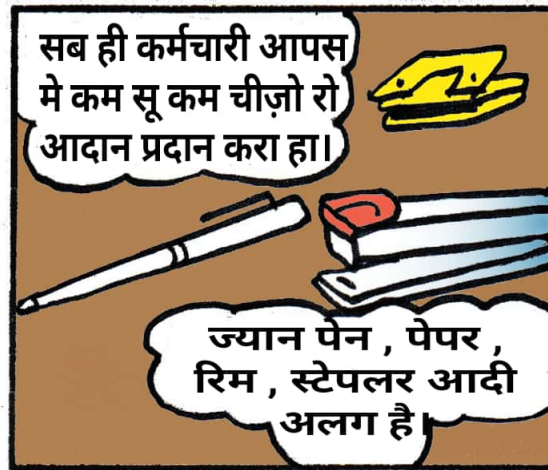
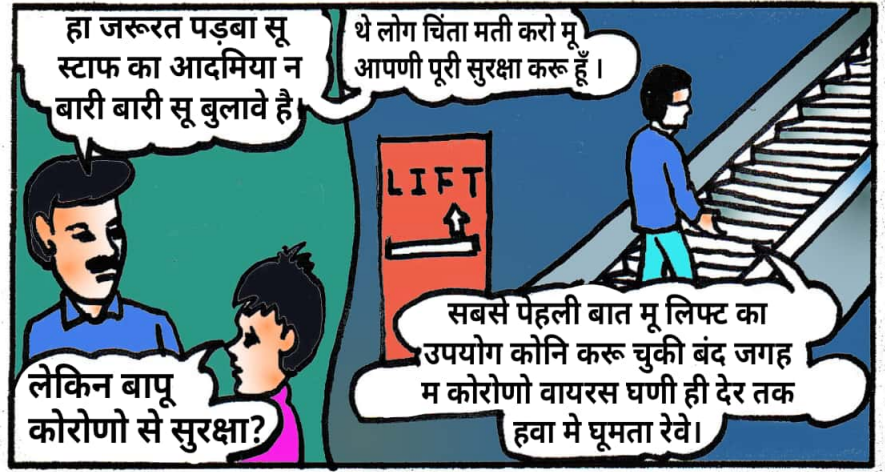














आपा सब लोगा न चिकित्सा कर्मीयो सू चोखि तरह सू व्यवहार राखणो । ये लोग देश की रक्षा रे वास्ते खुद री जान जोखिम मे डालर काम करे है!

लेखक परिचय

आलोक शर्मा



पता- मिनी भवन, शिव नगर
बिहारी गंज, अजमेर (राज)
शिक्षा- एम.ए., बीएड, नेट
वर्तमान में- जवाहर नवोदय विद्यालय
ठाकरडा, डूंगरपुर, (राज)
में कला अध्यापक
फोन- [9828606294](tel:9828606294)
मेल- alokbrush333@gmail.com

'कोरोना ने भगाणो है' पुस्तक के बारे में

- ◆ कोरोना वायरस से हमको एक लंबी लड़ाई लड़नी है, इसके लिए हमको बचाव के तरीकों को जीवनशैली में शामिल करना होगा। इन्हीं सावधानियों से आम आदमी को अवगत कराने के लिये पुस्तक - 'कोरोना ने भगाणो है' मारवाड़ी भाषा में लिखी गयी है।
- ◆ यह ई बुक मूल रूप से वागड़ी और फिर हिंदी में लिखी गई थी। इसका मारवाड़ी में अनुवाद किया गया है। इसके पूर्व संस्करणों के योगदान कर्ताओं में निम्नलिखित महानुभाव महत्वपूर्ण हैं - श्री कानाराम (जिला कलेक्टर डूंगरपुर), श्री अनूप कुमार सक्सेना (अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजमेर), डॉ. शक्ति सिंह शेखावत (सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अजमेर) श्री भारत भूषण शर्मा (मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, अजमेर) श्रीमती छाया चौबीसा (जनसम्पर्क अधिकारी, डूंगरपुर), श्री विनय पुंजोत (पटवारी, ग्राम-ठाकरडा), श्री अमित वर्मा (विधिक सेवा प्राधिकरण, अजमेर)

- ◆ मारवाड़ी संस्करण के निम्नलिखित योगदानकर्ताओं का आभार-



अनुवाद - श्री कर्ण सिंह रावत
अध्यापक - बाल पब्लिक स्कूल, लाडपुरा, अजमेर, इस कार्य में उनके पथप्रदर्शक रहे श्री ज्ञान सिंह रावत, निवासी लाडपुरा, अजमेर।



सम्पाद लेखन व सुलेख - सुश्री दक्षस्वी वर्मा
स्नातक शिक्षा संकाय (अध्ययनरत), भूषण (कथक), राष्ट्रीय स्तरीय खिलाड़ी (निशानेबाजी)।



रंगांकन - सुश्री मानवी शर्मा
अध्ययनरत - जवाहर नवोदय विद्यालय, डूंगरपुर

मूल पुस्तक का ISBN-



© All rights reserved with the author, please inform to the author prior to translation, modification or publish as printed medium.

कोरोना थकी लड़वू है,
घेर मारेवू है।



कोरोना ने भगाणो है



मूल पुस्तक संशोधित और अनुवादित
(वागड़ी बोली में) (मारवाड़ी भाषा में)